

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज

भोपाल, शनिवार 23 से 29 मई 2026

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष- 13

अंक-93

पृष्ठ- 8

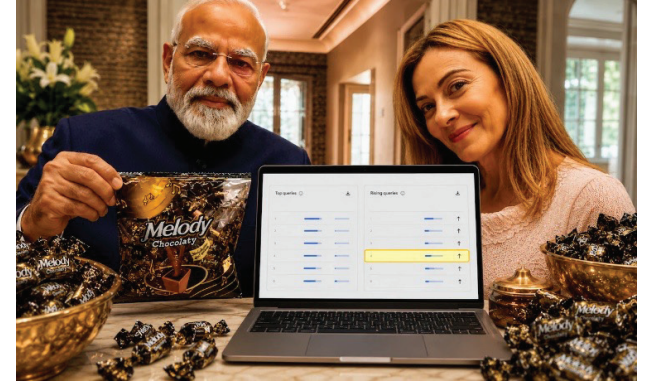
मूल्य- रु. 5 /-

मोदी की मेलोडी डिप्लोमेसी से पारले इंडस्ट्रीज को फायदा: शेयर 5% चढ़े, ब्रांड वैल्यू का जादू

निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत: समान नाम की कंपनी को मिला अप्रत्यक्ष लाभ, रियल एस्टेट सेक्टर में नई उम्मीद लेकिन सतर्क रहें

मुंबई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्रा के दौरान 'मेलोडी' टॉफी का जिफ्ट या उपहार देने से 'पारले' ब्रांड की चर्चा एक बार फिर छिड़ गई। हालांकि असली टॉफी बनाने वाली पारले प्रोडक्ट्स लिस्टेड कंपनी नहीं है, लेकिन समान नाम वाली लिस्टेड कंपनी पारले इंडस्ट्रीज के शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बाजार में यह खबर तेजी से फैली कि मोदी की 'मेलोडी डिप्लोमेसी' से पारले ब्रांड की लोकप्रियता बढ़ी है। निवेशकों ने इसे सकारात्मक संकेत माना और पारले इंडस्ट्रीज में खरीदारी बढ़ गई। कंपनी रियल एस्टेट सेक्टर में सक्रिय है और हाल के दिनों में इसके प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा रही है।

यह घटना दिखाती है कि ब्रांड वैल्यू और पॉजिटिव न्यूज का असर शेयर बाजार पर कितनी तेजी से पड़ता है, भले ही कंपनियां अलग हों। पारले इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों को अल्पावधि में लाभ हुआ, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों को कंपनी के फंडामेंटल्स, प्रोजेक्ट्स की प्रगति और रियल एस्टेट सेक्टर की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। समान नाम की कंपनियों में निवेश करते समय सतर्कता जरूरी है। रियल एस्टेट सेक्टर में सरकारी नीतियों, ब्याज दरों और डिमांड का असर पड़ता है। निवेशक पोर्टफोलियो में ऐसे स्टॉक्स को सीमित वेटेज दें और डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें। यह घटना बाजार की भावनात्मक प्रकृति को भी दर्शाती है, जहां न्यूज और पर्सपेक्शन कीमतों को प्रभावित कर सकती है।



मध्य प्रदेश में यूरिया निर्माताओं पर प्रतिबंध: गैर-सब्बिडी खाद की बिक्री पर रोक, किसानों को मिलेगी राहत

निवेशकों के लिए सकारात्मक कदम: कृषि इनपुट सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ी, सब्बिडी का सही उपयोग सुनिश्चित और लॉन्ग टर्म स्टेबिलिटी की उम्मीद

मध्य प्रदेश सरकार ने यूरिया निर्माताओं पर गैर-सब्बिडी खाद की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले का उद्देश्य सब्बिडी वाली खाद का सही लाभ किसानों तक पहुंचाना और कालाबाजारी रोकना है। अब यूरिया कंपनियां केवल सरकारी सब्बिडी वाले चैनल के माध्यम से ही खाद बेच सकेंगी।

मध्य प्रदेश भारत का प्रमुख कृषि राज्य है, जहां सोयाबीन, गेहूं, चना और दालों की खेती बड़े पैमाने पर होती है। सब्बिडी वाली यूरिया की कालाबाजारी से किसानों को नुकसान होता था और बाजार में कीमतें अस्थिर रहती थीं। नए नियम से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और किसानों को सही मूल्य पर खाद मिलेगी। सरकार का यह कदम कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसान कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण है।

यह प्रतिबंध उर्वरक सेक्टर के लिए सकारात्मक है। लिस्टेड कंपनियां जैसे कोरमंडल इंटरनेशनल, चंबल फर्टिलाइजर्स, आईएफएफसीओ और अन्य जो सब्बिडी चैनल पर फोकस करती हैं, उन्हें लाभ होगा। पारदर्शिता बढ़ने से सेक्टर की छवि सुधरेगी और सरकारी सब्बिडी का सही उपयोग होगा।

हालांकि अल्पावधि में कुछ कंपनियों की गैर-सब्बिडी बिक्री प्रभावित हो सकती है, लेकिन समग्र रूप से यह कदम सेक्टर को मजबूत करेगा। निवेशक एमपी एक्सपोजर वाली कंपनियों और सरकारी नीतियों पर नजर रखें। यह फैसला 'आत्मनिर्भर कृषि' की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।



क्या ₹15,000/महीने की SIP बना सकती है ₹1 करोड़+?

15 × 15 × 15

RULE

₹15,000/
महीना SIP
(इंक्विटी म्यूचुअल फंड में)



15%
सालाना रिटर्न



15 साल
(लगातार निवेश)



15 साल बाद
संभावित वेल्थ

1 करोड़+

₹27
लाख कुल निवेश

₹75+ संभावित
लाख वेल्थ गेन

एक-एक SIP से बनाएं बड़ी वेल्थ।

*म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है। सभी आंकड़े अनुमानित हैं और केवल उदाहरण के लिए हैं।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

☎ (+91)7389912025 ✉ visionadvisorymkt@gmail.com



DRDO's UAV-Launched Precision Guided Missile-V3 Clears Dual-Mode Trials: Big Boost to Atmanirbhar Defence

Investment Opportunity in Advanced Defence Tech: Indigenous Success Paves Way for Private Sector Growth, Exports and Multi-Year Order Pipeline

New Delhi: In a significant step towards self-reliance in defence technology, the Defence Research and Development Organisation (DRDO) has successfully completed developmental trials of its Precision Guided Missile-V3 launched from an Unmanned Aerial Vehicle (UAV). The missile demonstrated precision strikes in both air-to-surface and air-to-air modes, marking a major technological milestone.

The successful tests validate India's growing capability in drone-based precision weaponry, reducing risk to human pilots while enhancing strike accuracy and operational flexibility. The missile's dual-mode functionality makes it highly versatile for modern warfare scenarios, including border surveillance, counter-terrorism and high-value target engagement. This achievement aligns with the government's push for Atmanirbhar Bharat and positions India as an emerging player in the global UAV-missile ecosystem.



The development opens substantial opportunities for the Indian defence manufacturing sector. Private players involved in missile subsystems, avionics, composite materials, guidance systems and UAV platforms stand to benefit from future production orders. Companies with strong R&D capabilities and proven execution track records in missiles and drones such as Bharat Electronics, Larsen & Toubro, Hindustan Aeronautics and several MSMEs are likely to see increased order inflows.

This successful trial reinforces India's trajectory as a credible defence technology power and creates a compelling investment case in the evolving landscape of unmanned and precision warfare systems.

मध्य प्रदेश में उर्टन और धीरौली खदानों से कोयला उत्पादन शुरू: ऊर्जा सुरक्षा को मिली मजबूती

निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत: कोयला और पावर सेक्टर में नई गति, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बल

भोपाल: मध्य प्रदेश में उर्टन और धीरौली कोयला खदानों से उत्पादन शुरू हो गया है। इन खदानों से निकलने वाला कोयला राज्य के थर्मल पावर प्लांट्स और उद्योगों की मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मध्य प्रदेश देश के प्रमुख कोयला उत्पादक राज्यों में शामिल है। इन खदानों के चालू होने से घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ेगी, आयात पर निर्भरता घटेगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। उत्पादन शुरू होने से क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। कोयला आधारित उद्योगों जैसे पावर, सीमेंट और स्टील सेक्टर को भी फायदा होगा।

यह विकास कोयला और पावर सेक्टर के लिए सकारात्मक है। लिस्टेड कंपनियों जैसे कोल इंडिया की सहायक इकाइयां, अदाणी पावर, रिलायंस पावर और अन्य थर्मल पावर प्लेयर्स को लाभ पहुंच सकता है।

हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा की ओर वैश्विक रुझान को ध्यान में रखते हुए निवेशक डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें। खदानों की उत्पादन क्षमता, ऑफटेक एग्रीमेंट्स और पर्यावरणीय अनुपालन पर नजर रखना जरूरी है। मध्य प्रदेश का कोयला उत्पादन बढ़ना राज्य की औद्योगिक प्रगति का संकेत है।



मध्य प्रदेश का पहला इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क खंडवा में खुला: किसानों को मिलेगी नई आय

निवेशकों के लिए स्वर्णिम अवसर: एक्वाकल्चर और एग्री-एलायड सेक्टर में भारी ग्रोथ, हजारों रोजगार और मध्य प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

खंडवा: मध्य प्रदेश में पहला इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क खंडवा जिले में आधिकारिक रूप से खुल गया है। यह पार्क किसानों को मछली पालन के साथ मुर्गी पालन, डेयरी, बागवानी और अन्य गतिविधियों को एक साथ जोड़कर अतिरिक्त आय का साधन उपलब्ध कराएगा।

पार्क में आधुनिक हैचरी, फिंगरलिंग यूनिट, बायोफ्लोक टेक्नोलॉजी आधारित तालाब, प्रशिक्षण केंद्र और कोल्ड स्टोरेज की सुविधा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव या संबंधित मंत्री द्वारा उद्घाटन के दौरान कहा गया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत विकसित की गई है और राज्य में नीली क्रांति लाने में मील का पत्थर साबित होगी।

मध्य प्रदेश में अंतर्देशीय मछली उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। खंडवा का यह एक्वा पार्क किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन सिखाएगा और इंटीग्रेटेड मॉडल से उनकी आय दोगुनी करने में मदद करेगा। पार्क से सीधे 500 से अधिक और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

यह विकास एक्वाकल्चर, पोल्ट्री फीड, वेटरनरी, कोल्ड चेन और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के लिए बेहद सकारात्मक है। लिस्टेड कंपनियां जैसे अवंती फीड्स, गॉडरेज एग्रोवेट, वेंकीज और अन्य एग्री इनपुट प्लेयर्स को लाभ होगा। मध्य प्रदेश में प्राइवेट निवेश आकर्षित होगा और फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (FPO) को नई संभावनाएं मिलेंगी।

सरकारी सब्सिडी, तकनीकी सहायता और बढ़ती घरेलू-निर्यात मांग से यह सेक्टर अगले 5-7 वर्षों में मजबूत रिटर्न दे सकता है। खंडवा एक्वा पार्क मॉडल अन्य जिलों में भी दोहराया जाएगा, जिससे पूरे राज्य में एक्वाकल्चर इकोसिस्टम मजबूत होगा।



निवेशक इस क्षेत्र की प्रगति पर नजर रखें और सस्टेनेबल मॉडल पर फोकस करें। मध्य प्रदेश अब मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

आपने 10 साल नहीं गंवाए।

आपने ₹1.23 करोड़ गंवाए।

30 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।

उम्र 55 ~ ₹1.70 करोड़।

40 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।

उम्र 55 ~ ₹47 लाख।

₹1.23 करोड़

आइए शुरुआत करें, इससे पहले कि यह अंतर और बढ़ जाए।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



इंतजार महंगा पड़ सकता है

5 साल की देरी =
करोड़ों का नुकसान



आज
शुरू किया निवेश

₹10,000/महीना SIP

12% रिटर्न X 30 साल

कुल वेल्थ

₹3.53 करोड़

आपका निवेश = ₹36 लाख

शुरू किया निवेश

5 साल बाद

₹10,000/महीना SIP

12% रिटर्न X 25 साल

कुल वेल्थ

₹1.90 करोड़

आपका निवेश = ₹30 लाख



देरी की कीमत : ₹1.63 करोड़

5 साल की देरी ने आपके ₹6 लाख बचाए, लेकिन ₹1.63 करोड़ की वेल्थ कम कर दी।

आज की छोटी SIP, कल की बड़ी वेल्थ।

* सभी आंकड़े अनुमानित हैं और केवल उदाहरण के लिए हैं।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



Taiwan Funds Soar 200% in a Year: AI Boom Ignites Rally, But Experts Urge Caution Against FOMO

High-Growth Opportunity Meets Elevated Risk: Semiconductor-Driven Surge Offers Rewards, Yet Geopolitical Tensions and Valuations Warrant Disciplined Investing

Bhopal: Taiwan-focused mutual funds have delivered an extraordinary 200% return over the past year, riding the global artificial intelligence wave and Taiwan's dominance in semiconductor manufacturing. The island nation's technology giants, led by TSMC, have become indispensable to the world's AI supply chain, powering everything from smartphones to data centers. This has propelled the Taiwan Stock Exchange (TAIEX) and related funds to record highs, attracting aggressive investors seeking exposure to the next phase of technological disruption. The rally has been fueled by robust earnings growth, increasing capital expenditure by chipmakers, and strong demand for advanced nodes used in

generative AI. However, experts are sounding alarms against "Fear of Missing Out" (FOMO) investing. Taiwan's geopolitical location at the center of US-China tensions introduces significant tail risks, including potential supply chain disruptions, export restrictions, and military uncertainties. Additionally, many Taiwan-listed companies now trade at elevated valuations, leaving limited margin of safety for new entrants. Investment Avenue for investors, Taiwan-focused funds represent a high-conviction thematic bet on AI and semiconductors, but they are not suitable for conservative portfolios. Systematic investment plans (SIPs) in international mutual funds or ETFs tracking the TAIEX or MSCI Taiwan Index can help average out entry points and reduce timing risk.

Diversification remains critical. Investors should consider broader Asia or global technology funds rather than concentrating solely in Taiwan. Regular portfolio reviews, understanding currency fluctuations (NTD vs INR), and staying updated on US-China policy developments are essential. While the structural growth story of Taiwan's semiconductor ecosystem remains intact, chasing past performance without assessing valuations and geopolitical risks can lead to sharp drawdowns. Prudent investors should treat the current rally as a reminder to build resilient portfolios rather than an invitation to speculate. In the long run, disciplined asset allocation and fundamental analysis will outperform emotional decision-making in this high-stakes arena.

India's Real Estate Needs ₹50 Lakh Crore Capital Over Next Decade: Massive Funding Opportunity Ahead

Investment Opportunity Unlocked: Strong Developers, REITs and Alternative Platforms Poised for Multi-Year Growth Amid Surging Demand

Mumbai: India's real estate sector is projected to require a staggering ₹50 lakh crore in capital over the next decade, according to a new report by ANAROCK Capital. The massive funding requirement is driven by rapid urbanisation, rising household incomes, policy support for affordable housing, and explosive growth in commercial, industrial and data centre segments. Residential demand remains the largest component, followed by commercial office spaces, warehousing, data centres and integrated townships. Government initiatives such as PMAY, smart cities and infrastructure-linked real estate projects are expected to sustain momentum. However, the current supply of organised capital from banks, private equity and REITs is significantly lower than projected needs, creating a substantial funding gap. Investment Avenue: This capital requirement presents a multi-year opportunity for investors. Listed developers with strong balance sheets, execution track records and diversified portfolios such as DLF, Godrej Properties,



Prestige Estates and Sobha are well-positioned to capture growth. REITs and InvITs offer stable income yield with lower risk, while alternative investment platforms and structured debt funds provide higher-return opportunities for sophisticated investors. The ₹50 lakh crore requirement underscores that India's real estate story is far from over. For disciplined investors, the next decade could deliver attractive risk-adjusted returns across residential, commercial and industrial segments.

स्टार हेल्थ ने टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए 20% सस्ता हेल्थ कवर लॉन्च किया: किफायती बीमा का नया युग

निवेशकों के लिए सकारात्मक कदम: हेल्थ इंश्योरेंस पेनेट्रेशन बढ़ेगा, प्रीमियम ग्रोथ और लॉन्ग टर्म वैल्यू क्रिएशन की मजबूत संभावना

चेन्नई: स्टार हेल्थ एंड अलायड इंश्योरेंस ने टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए 20 प्रतिशत सस्ता हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है। यह कदम छोटे शहरों में हेल्थ इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाने और प्रीमियम को किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

नए प्लान में कम हॉस्पिटलाइजेशन कॉस्ट वाले शहरों के हिसाब से प्रीमियम तय किया गया है। फैमिली फ्लोटर, क्रिटिकल इलनेस कवर और ओपीडी बेनिफिट्स जैसे विकल्प उपलब्ध हैं। स्टार हेल्थ का मानना है कि छोटे शहरों में हेल्थकेयर खर्च अपेक्षाकृत कम है, इसलिए प्रीमियम भी कम रखा जा सकता है। इससे लाखों परिवार बीमा के दायरे में आ सकेंगे।

भारत में हेल्थ इंश्योरेंस पेनेट्रेशन अभी भी बहुत कम है। टियर-2 और

टियर-3 शहरों में यह और भी कम है। सरकारी योजनाओं के साथ प्राइवेट इंश्योरेंस का यह कदम 'इंश्योरेंस फॉर ऑल' लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगा।

यह लॉन्च स्टार हेल्थ और समग्र हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के लिए सकारात्मक है। प्रीमियम वॉल्यूम बढ़ने से टॉपलाइन ग्रोथ होगी और क्लेम रेशियो नियंत्रित रहने की उम्मीद है। लिस्टेड इंश्योरेंस कंपनियों जैसे स्टार हेल्थ, एचडीएफसी एगो, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और निप्पोन इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस में लंबी अवधि का अवसर है।

हालांकि मेडिकल इन्फ्लेशन, क्लेम फ्रॉड और रेगुलेटरी चेंजेस जैसे रिस्क पर नजर रखनी होगी। डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोडक्ट इनोवेशन करनेवाली कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

स्टार हेल्थ का यह कदम भारत के अंडर-पेनेट्रेटेड हेल्थ इंश्योरेंस मार्केट को नई गति देगा और निवेशकों को स्थिर व दीर्घकालिक रिटर्न का अवसर प्रदान करेगा।



Adani Power Acquires Jaiprakash Power Stake and Churk Assets for Over ₹4,193 Crore: Capacity Expansion Drive Gains Momentum

Strategic M&A Unlocks Value: Thermal Power Addition Strengthens Adani's Portfolio Amid Surging Electricity Demand and Energy Security Push

Ahmedabad: Adani Power has signed definitive agreements to acquire a significant stake in Jaiprakash Power Ventures and the Churk power assets for a total consideration exceeding ₹4,193 crore. The deals mark another aggressive move by the Adani Group to rapidly scale its thermal power capacity through strategic acquisitions of stressed or underutilised assets.

The acquisition of Jaiprakash Power stake provides Adani Power immediate access to operating power plants with established coal linkages and power purchase agreements. The Churk assets, located in Uttar Pradesh, add further generation capacity at an attractive valuation. Together, these transactions are expected to enhance Adani Power's overall installed capacity and improve its plant load factor through operational synergies and better fuel management.

India's electricity demand is rising sharply due to rapid industrialisation, data centre expansion, electric vehicle adoption and manufacturing growth under the Production Linked Incentive scheme. Thermal power remains critical for providing reliable baseload supply, complementing



the country's ambitious renewable energy targets. Adani Power's latest acquisition aligns with the group's stated goal of becoming one of the world's largest integrated energy players.

Investment Avenue For investors, this deal reinforces Adani Power's position as a high-growth play in India's power sector. The acquisitions are likely to be earnings accretive over the medium term and strengthen the company's ability to secure long-term power supply contracts. The stock has historically reacted positively to capacity expansion announcements.

Long-term investors can consider Adani

Power as a core holding within the energy theme, given its integrated model spanning generation, transmission and renewables. However, investors should monitor the company's overall debt levels, execution of the acquired assets, and progress on its renewable energy commitments. Regulatory approvals and smooth integration will be key near-term catalysts. With power demand expected to grow at 6-7% annually over the next decade, well-capitalised players like Adani Power are strategically positioned to benefit from India's energy transition and capacity addition cycle.

4 नए SIF और म्यूचुअल फंड NFO सब्सक्रिप्शन के लिए खुले: स्पेशलाइज्ड स्ट्रेटेजी का नया दौर

निवेशकों के लिए अवसर और चेतावनी: हाई रिटर्न की संभावना लेकिन हाई रिस्क, एचएनआई और सोफिस्टिकेटेड निवेशकों के लिए उपयुक्त

भोपाल: इस सप्ताह चार नए स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (SIF) और म्यूचुअल फंड NFO सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं। SIF पारंपरिक म्यूचुअल फंड से अलग होते हैं और डेरिवेटिव्स, कंसट्रिटेड पोर्टफोलियो तथा आउटकम-ओरिएंटेड स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करते हैं।

1. HSBC RedHex SIF – Hybrid Long-Short Fund सब्सक्रिप्शन: 20 मई से 31 मई 2026 तक। मिनिमम इन्वेस्टमेंट ₹10 लाख। फोकस: लॉन्ग-शॉर्ट इक्विटी स्ट्रेटेजी।

2. Tata Titanium Equity Long-Short Fund सब्सक्रिप्शन: 20 मई से 30 मई 2026। मिनिमम ₹10 लाख। डायनामिक नेट इक्विटी एक्सपोजर (-25% से 100%)।

3. Axis Specialised Investment Fund – Multi Asset Long-Short सब्सक्रिप्शन: 21 मई से 4 जून 2026। मिनिमम ₹10 लाख। इक्विटी, डेब्ट और कमोडिटी में लॉन्ग-शॉर्ट।

4. HDFC Innovation & Technology Fund (Regular MF NFO) सब्सक्रिप्शन: 21 मई से 4 जून 2026। मिनिमम ₹5,000। थीम: AI, सेमीकंडक्टर, क्लाउड और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन।

निवेशकों के लिए संदेश SIF उच्च रिटर्न की संभावना देते हैं लेकिन हाई वोलेटिलिटी, डेरिवेटिव रिस्क और कंसट्रिशन रिस्क भी रखते हैं। ये अनुभवी और हाई नेटवर्थ निवेशकों (HNIs) के लिए उपयुक्त हैं। रेगुलर NFO जैसे HDFC इनोवेशन फंड रिटेल निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का 5-10% ही SIF/NFO में लगाएँ और डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें। सब्सक्रिप्शन से पहले स्कीम डॉक्यूमेंट, रिस्क फैक्टर और फंड मैनेजर की ट्रैक रिकॉर्ड जरूर पढ़ें।



टाटा संस IPO पर पूर्व टाटा वेटरन सुनावाला की चेतावनी: लिस्टिंग से बचें, लंबी अवधि के हितों को खतरा

निवेशकों के लिए गहन विश्लेषण: वैल्यू अनलॉक vs कंट्रोल, गवर्नेंस और कल्चर रिस्क — क्या IPO सच में फायदेमंद होगा?

मुंबई: टाटा संस के संभावित IPO पर पूर्व टाटा वेटरन और लंबे समय तक फाइनेंस हेड रहे नोशिर सुनावाला ने गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि टाटा संस जैसी विरासत और जटिल संरचना वाली कंपनी को लिस्ट करना लंबी अवधि के हितों के लिए हानिकारक हो सकता है।

सुनावाला का तर्क है कि टाटा ट्रस्ट्स की चैरिटेबल प्रकृति और समूह की 'स्टूवर्डशिप' संस्कृति बाजार के तिमाही दबाव और शेयरधारक सक्रियता के साथ टकरा सकती है। टाटा संस में क्रॉस-होलिंग्स, प्रमोटर ग्रुप की जटिलता और रेगुलेटरी स्कूटनी IPO के बाद बढ़ सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि लिस्टिंग से टाटा समूह की रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है और कर्मचारी-संस्कृति पर भी असर पड़ सकता है।

दूसरी ओर, IPO से टाटा संस को पूंजी मिलेगी, वैल्यू अनलॉक होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी। भारत का सबसे बड़ा कॉन्सोल्मिडेट लिस्ट होने से रिटेल निवेशकों को सीधे हिस्सेदारी का मौका मिलेगा। टाटा मोटर्स, टीसीएस, टाटा स्टील जैसी लिस्टेड कंपनियों के जरिए पहले से ही एक्सपोजर उपलब्ध है, लेकिन होलिंग्स कंपनी में निवेश से पूरा पोर्टफोलियो कवर होगा।

IPO आने पर वैल्यूएशन, डिस्काउंट/प्रीमियम, क्रॉस-होलिंग्स स्ट्रक्चर और गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स पर गहराई से विचार करें। हाई वैल्यूएशन और जटिल स्ट्रक्चर के कारण शुरुआती दिनों में वोलेटिलिटी रह सकती है। लंबी अवधि के निवेशक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो में टाटा ग्रुप एक्सपोजर पहले से ही रखते हैं, इसलिए नया IPO लेने से पहले रिस्क-रिवॉर्ड का आकलन जरूरी है।

सुनावाला की चेतावनी याद दिलाती है कि हर IPO 'लिस्टिंग गेन' का वादा नहीं करता। निवेशक विस्तृत ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस का इंतजार करें और फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह लें। टाटा संस का IPO ऐतिहासिक होगा, लेकिन सतर्कता सबसे बड़ी जरूरत है।



UpGrad Valued at \$1.7 Billion as Unacademy Merger Awaits CCI Nod: Edtech Consolidation Gains Pace

Next-Gen AI Investment Wave: Autonomous Agents Set to Transform Enterprises – Early Investors Positioned for Exponential Returns

Mumbai: UpGrad's valuation has been pegged at \$1.7 billion as its proposed merger with Unacademy awaits approval from the Competition Commission of India (CCI). The deal, once cleared, will create one of India's largest edtech platforms by combining UpGrad's strength in upskilling and higher education with Unacademy's dominance in test preparation and K-12 learning. The \$1.7 billion valuation reflects investor confidence in the long-term potential of India's education technology sector, driven by rising demand for quality online learning, corporate skilling programmes and government initiatives like Skill India. The merger is expected to generate significant synergies in technology, content, user acquisition and operational efficiency.

This development signals accelerating consolidation in the edtech space. The combined entity will have greater scale to compete with global and domestic players while improving unit economics.



Long-term investors with high-risk appetite can consider selective exposure to edtech through listed technology or education proxies, or via private market opportunities once the merger is completed. Key catalysts to watch include CCI approval timeline, post-merger revenue synergies and path to sustainable profitability. Regulatory hurdles or delays could create short-term uncertainty, but the structural growth drivers for India's \$10+ billion edtech market remain intact.

ग्लोबल अवसरों के लिए तैयार हो रहे युवा, आईईएस में हुआ प्रेरणादायक पैनल डिस्कशन

निवेशकों के लिए स्वर्णिम अवसर: एआई-बायोटेक फ्यूजन, फार्मा आरएंडडी में तेजी और हेल्थकेयर इन्वैशन सेक्टर में लंबी अवधि के असाधारण रिटर्न की संभावना

भोपाल: आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल के Entrepreneurship Development Cell (E-Cell) द्वारा "Emerging Skills for Success in Dynamic Global Markets" विषय पर एक प्रभावशाली पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्योग, व्यवसाय, टेक्नोलॉजी, वित्त, पर्यटन एवं उद्यमिता क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को भविष्य के कौशल, वैश्विक अवसरों एवं उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के बारे में मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएनआई भोपाल के Executive Director श्री प्रदीप करंबेलकर रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को नेटवर्किंग, नेतृत्व क्षमता एवं उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ प्रभावी संवाद और सहयोग की क्षमता भी अत्यंत आवश्यक है।

पैनल चर्चा में अंतरराष्ट्रीय टेक्नोलॉजी एवं मार्केटिंग विशेषज्ञ श्री प्रदीप सारंगधरन, ट्रैवल इंडस्ट्री विशेषज्ञ सुश्री निकिता शर्मा, इंटरनेशनल मोटिवेशनल कोच डॉ. विपुल भार्तिआ, इन्वेस्टमेंट एवं एस्टेट प्लानिंग विशेषज्ञ श्री सुदीप जैन, एआई एवं बिजनेस स्ट्रेटेजी विशेषज्ञ श्री सिद्धार्थ पाल, कॉर्पोरेट लीडर एवं उद्यमी श्री रोहित सहित अन्य उद्यमियों ने सहभागिता की।

विशेषज्ञों ने Artificial Intelligence, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, फाइनेंशियल लिटरेसी, स्टार्टअप कल्चर, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल्स एवं ग्लोबल बिजनेस अवसरों जैसे विषयों पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे तथा विशेषज्ञों से करियर एवं उद्यमिता संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त किया।



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	23719	24448	24142	23930	23624	23412	23106	22894
BANK NIFTY	54055	56011	55111	54583	53683	53155	52255	51727
SENSEX	75183	77792	76869	76026	75103	74260	73337	72494
FINNIFTY	25532	26518	26073	25802	25357	25086	24641	24370
MIDCAP	14381	15071	14750	14565	14244	14059	13738	13553
ACC	1359	1418	1396	1377	1355	1336	1314	1295
AXISBANK	1287	1377	1333	1310	1266	1243	1199	1176
ABCAPITAL	357	386	374	366	354	346	334	326
BHARTIARTL	1873	2013	1984	1928	1899	1843	1814	1758
BHEL	409	450	432	421	403	392	374	363
BIOCON	429	452	444	437	429	422	414	407
BEL	417	454	442	430	418	406	394	382
CDSL	1205	1323	1278	1242	1197	1161	1116	1080
DATAPATTERN	3960	4643	4363	4161	3881	3679	3399	3197
ESCORTS	2921	3145	3078	2999	2932	2853	2786	2707
EICHERMOTOR	6985	7387	7214	7099	6926	6811	6638	6523
FEDERAL BANK	287	310	302	294	286	278	270	262
GRINFRAPROJECT	940	1015	987	964	936	913	885	862
HDFCBANK	769	803	789	779	765	755	741	731
HCLTECH	1167	1280	1239	1203	1162	1126	1085	1049
HINDUNILVR	2205	2372	2327	2266	2221	2160	2115	2054
HAL	4363	4722	4575	4469	4322	4216	4069	3963
HYUNDAI	1851	1984	1921	1886	1823	1788	1725	1690
IOC	140	154	147	144	137	134	127	124
ICICIBANK	1267	1332	1302	1284	1254	1236	1206	1188
INFY	1175	1304	1256	1215	1167	1126	1078	1037
ITC	302	323	319	310	306	297	293	284
KOTAKBNK	385	410	402	393	385	376	368	359
LICHOUSING	539	569	561	550	542	531	523	512
LT	3933	4103	4036	3985	3918	3867	3800	3749
LUPIN	2271	2412	2361	2316	2265	2220	2169	2124
MARUTI	12995	13576	13363	13179	12966	12782	12569	12385
M&M	3085	3278	3218	3152	3092	3026	2966	2900
MGL	1053	1123	1103	1078	1058	1033	1013	988
MAZGAONDOC	2471	2634	2565	2518	2449	2402	2333	2286
PFC	430	464	454	442	432	420	410	398
RECLTD	337	362	354	345	337	328	320	311
RELIANCE	1358	1440	1405	1382	1347	1324	1289	1266
SBIN	950	990	975	963	948	936	921	909
SUNPHARMA	1840	1976	1947	1893	1864	1810	1781	1727
SHRIRAMFINANCE	942	988	966	954	932	920	898	886
TITAN	4099	4300	4242	4170	4112	4040	3982	3910
TCS	2318	2506	2442	2380	2316	2254	2190	2128
TATAMOTORS	364	385	375	370	360	355	345	340
UPL	631	673	660	645	632	617	604	589
VALIENT	285	358	342	314	298	270	254	226
WIPRO	203	225	215	209	199	193	183	177

पाइपर सेरिका ने लॉन्च किया 800 करोड़ का भारत टेक फंड: भारतीय स्टार्टअप्स में निवेश का नया रास्ता

निवेशकों के लिए सकारात्मक अवसर: टेक इकोसिस्टम को मिलेगा मजबूत सपोर्ट, लॉन्ग टर्म ग्रोथ और इनोवेशन को बढ़ावा

मुंबई: पाइपर सेरिका ने ₹800 करोड़ का भारत टेक फंड लॉन्च कर दिया है। यह फंड भारतीय टेक स्टार्टअप्स में निवेश करेगा, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सास, फिनटेक, हेल्थटेक और एडटेक सेक्टर में। फंड का उद्देश्य भारत के डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करना और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।

यह फंड अर्ली और ग्रोथ स्टेज की कंपनियों को पूंजी उपलब्ध कराएगा, जिससे इनोवेशन को गति मिलेगी और हजारों नए रोजगार सृजित होंगे। पाइपर सेरिका का अनुभव और नेटवर्क स्टार्टअप्स को स्ट्रैटेजिक सपोर्ट भी देगा। भारत का टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इकोसिस्टम में से एक है।

यह फंड हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स, फैमिली ऑफिसेज और इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए आकर्षक विकल्प है। लंबी अवधि में टेक सेक्टर से अच्छे रिटर्न की संभावना है, लेकिन स्टार्टअप निवेश में हाई रिस्क भी होता है। निवेशक डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें और फंड मैनेजर की ट्रेकरिपोर्ट पर ध्यान दें।

यह लॉन्च भारत के टेक इकोसिस्टम में नए पूंजी प्रवाह को दर्शाता है और निवेशकों को देश की डिजिटल ग्रोथ स्टोरी में भाग लेने का मौका देता है।



Piper Serica

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.